NATIONAL CONFERENCE ON ENGINEERING, SCIENCE, MANAGEMENT, ARTS AND HUMANITIES (NCESMAH – 2021)
31ST OCTOBER, 2021

CERTIFICATE NO : NCESMAH /2021/C1021798

दूरदर्शन में राष्ट्रभाषा के स्वरूप का अध्ययन

THOMAS DAINTY VARGHESE

Research Scholar, Department of Hindi,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P.

सारांश

दूरदर्शन की हिन्दी भाषा जनसामान्य की भाषा के अधिक नजदीक पड़ता है क्योंकि इसकी भाषा को भाषा के विविध वर्गों के बीच सम्प्रेषित होने की आवश्यकता ही भाषा को सहजता, सरलता एवं सरसता का गुण प्रदान करती है जो स्वाभाविक ही है। दूरदर्शन की भाषा के जादू ने आम आदमी को मोह लिया है तथा उसे सम्मोहित करके अपने प्रति और जिज्ञासापूर्ण नजरों से नित्य प्रति निहारने को उतावला बना दिया है,उसे अपने कार्यक्रमों के माध्यम से बाँध सा दिया है। तभी तो,जैसा पहले संकेतित किया जा चुका है, दूरदर्शन के कार्यक्रम आम दर्शक वर्ग के रोज–ब–रोज के कार्यकलाप में दखल मात्र ही देने नहीं लगे है अपितु कार्यक्रमों के अनुसार उसके समय को निश्चित करने लगे है। दूरदर्शन हिन्दी के प्रमुख कार्यक्रमों एवं उस कार्यक्रमों में हिन्दी भाषा के प्रयोग को लेकर विवेचन किया गया है। जिसमें कमेंटरी, भेंटवार्ता, धारावाहिक, परिचर्या, साहित्यिक कार्यक्रम आदि का समावेश किया गया है।